निस्कोर्ट विस्टा

New Institute of Social Communications Research and Training

Vol. XV Issue XIX (A Media College of the CBCI) October 2024

निस्कोर्ट मीडिया कॉलेज के ओरिएंटेशन डे पर छात्रों को मिली प्रेरणा और दिशा

तैयब हेलाल

Credit- Tarun Soreng

निस्कोर्ट मीडिया कॉलेज ने ३ सितंबर, २०२४ को नए विद्यार्थियों का स्वागत करने के लिए ओरिएंटेशन डे का आयोजन किया। इस महत्वपूर्ण दिन का उद्देश्य नए छात्रों को महाविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण, उसकी गतिविधियों और भविष्य की दिशा के बारे में परिचित कराना था। नए छात्रों के जीवन में यह दिन एक नई श्शुरुआत का प्रतीक बना और महाविद्यालय के परिवार में उन्हें आधिकारिक रूप से शामिल किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सिस्टर नव्या, जो निस्कोर्ट फादर एग्नेल स्कूल, वैशाली की प्रधानाचार्या हैं, ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। सिस्टर नव्या एक कुशल शिक्षाविद् हैं, जिन्हें शिक्षा और प्रशासन का लंबा अनुभव है। उनकी विद्वता और मार्गदर्शन छात्रों के लिए अत्यधिक प्रेरणादायक रहे हैं। उन्होंने अपने संबोधन में नए छात्रों को उत्साह और धैर्य के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

सिस्टर नव्या ने अपने वक्तव्य में विशेष रूप से इस बात पर बल दिया कि पत्रकारिता के क्षेत्र में कदम रखने वाले छात्रों के लिए जुनून और दृढ़ता का जीवंत रहना बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि एक सच्चे पत्रकार का कर्तव्य है कि वह कठिन परिस्थितियों का डटकर सामना करे और अपनी मेहनत के बल पर आने वाली चुनौतियों का समाधान खोजे । उनके अनुसार, निस्कोर्ट महाविद्यालय न केवल छात्रों को उच्च शिक्षा प्रदान कर रहा है, बल्कि मीडिया जगत में नए प्रतिभाशाली व्यक्तियों का निर्माण कर रहा है। उन्होंने छात्रों की रचनात्मकता और समर्पण की भी सराहना की, जो उन्हें एक सफल पत्रकार बनने के रास्ते पर अग्रसर करता है।

''सिस्टर नव्या ने अपने भाषण में यह भी उल्लेख किया कि निस्कोर्ट मीडिया कॉलेज मीडिया उद्योग के लिए मूल्यवान छात्रों का निर्माण कर रहा है।'' उन्होंने महाविद्यालय के योगदान को सराहा और छात्रों को प्रेरित किया कि वे अपनी शिक्षा को गंभीरता से लें और समाज में सच्चाई और ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। उनके विचारों और मीडिया क्षेत्र से जुड़े उनके अनुभवों ने छात्रों को अत्यधिक लाभान्वित किया। उनके शिक्षण के गहन विचारों ने छात्रों को अपने भविष्य के लिए एक ठोस आधार प्रदान किया।

इसके बाद, महाविद्यालय के शिक्षकों और वरिष्ठ छात्रों ने नए विद्यार्थियों का स्वागत किया और उन्हें महाविद्यालय की विभिन्न श्शैक्षणिक और व्यावहारिक पहलुओं से परिचित कराया। विद्यार्थियों को कॉलेज के पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, और मीडिया उद्योग के लिए तैयार किए जाने वाले अभ्यासों के बारे में विस्तार से बताया गया। महाविद्यालय का प्रमुख उद्देश्य है छात्रों का सर्वांगीण विकास करना और उन्हें एक बेहतर भविष्य के लिए तैयार करना।

ओरिएंटेशन डे के इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ सदस्यों ने छात्रों को यह भी समझाया कि किस प्रकार महाविद्यालय में सिद्धांत और व्यवहार के मध्य संतुलन बनाया जाता है ताकि छात्र न केवल सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करें बल्कि व्यावहारिक अनुभवों से भी लाभान्वित हों। निस्कोर्ट मीडिया कॉलेज में पढ़ाई के साथ—साथ, व्यक्तिगत और पेशेवर विकास पर भी ध्यान दिया जाता है ताकि छात्र हर क्षेत्र में सफल हो सकें।

यह कार्यक्रम बेहद सफल रहा और नए छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना। उन्होंने अपने नए सफर की शुरुआत एक नई ऊर्जा और उत्साह के साथ की। महाविद्यालय का यह आयोजन छात्रों को दिशा देने और उनके भीतर छिपी संभावनाओं को प्रकट करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

ओरिएंटेशन डे के इस सफल आयोजन ने नए विद्यार्थियों में आत्मविश्वास का संचार किया और उन्हें अपने पत्रकारिता के सफर की शुरुआत एक सकारात्मक दृटिकोण के साथ करने के लिए प्रेरित किया।

निस्कोर्ट मीडिया महाविद्यालय में हिंदी पखवाड़ा एवं कथा कहन कार्यक्रम का आयोजन

तैयब हेलाल

निस्कोर्ट मीडिया महाविद्यालय में २० सि. तंबर, २०२४ को हिंदी पखवाड़ा के उपलक्ष्य में 'कथा कहन' कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने हिंदी भाषा के महत्व को न सिर्फ समझा बल्कि अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से इसे और भी अधिक सजीव किया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में हिंदी भाषा के प्रति जाग. रूकता बढ़ाना और उनके साहित्यिक कौशल को विकसित करना था।

'कथा कहन' प्रतियोगिता में महाविद्यालय के कई छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर निर्णायक के रूप में महाविद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक सुशील लाल और कमाक्षी ठाकुर ने अपनी उपस्थिति दर्ज की। उन्होंने छात्रों के प्रयासों की सराहना करते हुए उनके भाषाई कौशल और रचनात्मकता पर प्रकाश डाला। प्रतियोगिता का स्तर बहुत ऊँचा था, और सभी प्रतिभागियों ने अपनी—अपनी प्रस्. तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया।

Credit- Amos Michael

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने का गौरव डेरेन को मिला, जिन्होंने अपनी प्रस्तुति में जीवन के गूढ़ अनुभवों को सहजता से प्रस्तुत किया। वहीं, द्वितीय स्थान पर शाम्भ. ावी रही, जिनकी कथा में ग्रामीण जीवन की सजीवता और संवेदनशीलता का अद्भुत चित्रण था। निर्णायक मंडल ने दोनों की प्रस्. तुतियों की सराहना की और कहा कि दोनों ही प्रतिभागी भविष्य में साहित्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

कार्यक्रम के दौरान कॉलेज की प्रधानाचार्या डॉ. ऋतु दूबे तिवारी ने भी हिंदी भाषा के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने अपनी मधुर आवाज में एक स्वरचित कविता प्रस्तुत की, जिसने सभी श्रोताओं को हिंदी की महिमा का अहसास कराया। उनके शब्दों में हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि हमारे समाज की पहचान और सांस्कृतिक धरोहर है। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि हमें हिंदी के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए और इसे आगे बढ़ाने के लिए प्रयासरत रहना चाहिए।

कार्यक्रम का परिचालन समीर पन्ना, जो परास्नातक के छात्र हैं, ने बहुत ही कुशलता से किया। उनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम को एक विशेष ऊंचाई प्रदान की। साथ ही, संच. ालक शिक्षिका कामाक्षी ने भी अपने सफल निर्देशन से कार्यक्रम को सफलता पूर्वक संपन्न किया।

इस प्रकार, हिंदी पखवाड़ा के इस आयोजन ने निस्कोर्ट मीडिया महाविद्यालय में हिंदी भाषा के प्रति एक नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया।

निस्कॉर्ट में शिक्षक दिवस का उल्लास: छात्रों ने समर्पण और प्रेम से मनाया शिक्षकों का सम्मान

जानवी खान

निस्कॉर्ट में शिक्षक दिवस का उत्सव धूमधाम से मनाया गया, जहाँ छात्रों ने अपने शिक्षकों के प्रति आभार और सम्मान व्यक्त किया। दूसरी वर्ष के स्नातकोत्तर छात्र दानिश लेपचा और तीसरे वर्ष की स्नातक की छात्रा एकता सक्सेना ने मिलकर एक सुंदर कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें शिक्षकों को विशेष रूप से चयनित और सजाए गए उपहार भेंट किए गए।

कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक तिलक समा. रोह से हुई, जिसमें दूसरे वर्ष की स्नातक की छात्रा रुचिका बारा ने शिक्षकों का स्वागत किया। छात्रों ने उत्साहपूर्वक शिक्षकों को उनके स्थानों तक पहुँचाया। कार्यक्रम के मास्टर ऑफ सेरेमनी के रूप में दूसरी वर्ष के स्नातकोत्तर छात्र एलन रितेश गोम्स

Credit- Tarun Soreng

और एकता ने कुशलता से मंच संचालन समन्वय किया। प्रथम वर्ष के स्नातकोत्तर छात्र समीर पन्ना ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्ण ान के उदाहरण का हवाला देते हुए शिक्षकों के महत्व पर एक प्रेरणादायक भाषण दिया। इस अवसर पर छात्रों ने नृत्य प्रस्तुत किए, जिसमें तीसरी वर्ष की एकता का एकल नृत्य और दूसरी वर्ष के स्नातक छात्रों का समूह नृत्य शामिल था, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पहले वर्ष के स्नातक छात्रों ने शिक्षकों के योगदान का जश्न मनाते हुए एक वीडियो कोलाज प्रस्तुत किया। शिक्षकों ने छात्रों द्वारा आयोजित खेलों में भाग लेकर पुरस्कार भी जीते। निदेशक और प्राचार्या ने छात्रों के प्रयासों की सराहना करते हुए प्रेरण ाादायक संदेश दिए, जिसमें उन्होंने शिक्षकों की भूमिका को उजागर किया। कार्यक्रम का समापन एक समूह फोटो के साथ हुआ, जिसे निस्कॉर्ट मीडिया टीम ने कुशलता से खींचा। इस प्रकार के उत्सव केवल एक दिन के लिए नहीं होते, बल्कि यह एक सशक्त समुदाय की भावना को जगाने का माध्यम हैं, जो हमेशा शिक्षकों के प्रति आभार और कृतज्ञता बनाए रखेगा। निस्कॉर्ट में यह दिन एक यादगार पल बन गया, जिसने छात्रों और शिक्षकों के बीच संबंधों को और मजबूत किया।

निस्कोर्ट मीडिया कॉलेज के छात्रों का न्यूज नेशन भवन दौरा: 'बॉटल वाला बाबा' के धोखाधड़ी का पर्दाफाश

जानवी खान

३० अगस्त २०२४ को निस्कोर्ट मीडिया कॉलेज ने नोएडा के सेक्टर १२३ में न्यूज नेशन चैनल के कार्यक्रम "न्यूज नेशन ऑपरेशन पाखंड" इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य धार्मिक ठगों और नकली आध्यात्मिक नेताओं का पर्दाफाश करना था। इस एपिसोड में "बॉटल वाला बाबा" पर विशेष ध्यान दिया गया जो खुद को चमत्कारी बताता है और दावा करता है कि उसके पास विशेष शक्तियां हैं। जिनसे वह लोगों के रोग ठीक कर सकता है।

समस्याओं का समाधान कर सकता है। यह बाबा एक बोतल का उपयोग करके अपने "उपचार" का दावा करता है। जिससे वह अनुयायियों को भ्रमित करता है और पैसे वसूलता है। न्यूज नेशन की टीम ने बाबा की गतिविधियों की गहन जांच की जिससे यह स्पष्ट हुआ कि वह केवल लोगों की भा.

वनाओं का शोषण कर रहा है। कई पीड़ितों ने बताया कि उन्होंने बाबा के पास अपनी समस्याओं के समाधान के लिए पैसे खर्च किए लेकिन निराशा ही हाथ लगी। कार्यक्रम के दौरान निस्कोर्ट मीडिया कॉलेज के छात्रों और मेहमानों ने सक्रिय चर्चा की जिसमें उन्होंने रामायण और महाभारत के उदाहरण दिए यह बताते हुए कि कैसे उन समयों में दवाओं और चिकित्सा के उचित उपायों का उपयोग किया जाता था।

छात्रों ने इस बात पर जोर दिया कि सही ज्ञान और विज्ञान का उपयोग करके ही समाज को वास्तविक सुधार की दिशा में बढ़ाया जा सकता है।

न्यूज नेशन के पत्रकारों ने बताया कि उनका उद्देश्य समाज में जागरूकता फैलाना है ताकि लोग ऐसे धोखाधड़ी भरे व्यवहार से बच सकें। इस एपिसोड ने ४० हजार व्यूज प्राप्त किए जो दर्शाता है कि लोग इस विषय में कितनी रुचि रखते हैं। यह कार्यक्रम केवल एक शो नहीं था बल्कि समाज में जागरूकता बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण कदम था जिसने छात्रों को प्रेरित किया कि वे भी पत्रकारिता के माध्यम से बदलाव ला सकते हैं।

निस्कोर्ट में क्विज प्रतियोगिता: ज्ञान का हुआ महासंग्राम

एल्बिन सीबी

निस्कोर्ट मीडिया कॉलेज ने ६ सितंबर २०२४ को मिनी ऑडिटोरियम में एक आकर्षक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया। यह कार्यक्रम कॉलेज के क्विज क्लब द्वारा आयोजित किया गया था, जिसका विषय ''अंतरराष्ट्रीय संगठन और उनके मुख्यालय'' था, जिससे विभिन्न सेमेस्टर के छात्रों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली।

प्रतियोगिता का उद्घाटन क्विज क्लब के सदस्यों द्वारा किया गया, जिन्होंने छात्रा. को सामान्य ज्ञान को बढ़ाने और ऐसे आयोजनों के माध्यम से उनके विश्लेषण ाात्मक सोच कौशल को विकसित करने के लिए प्रेरित किया। कुल चार टीमों ने इस क्विज में भाग लिया, जिसमें विभि. ान्न अंतरराष्ट्रीय संगठनों, उनके कार्यों और उनके मुख्यालयों के स्थानों के बारे में सवाल पूछे गए। ऑडिटोरियम का माहौल उत्साह से भरा हुआ था, क्योंकि टीमें विभि. ान्न राउंड में प्रतिस्पर्धा कर रही थीं, सवालों के जवाब देकर अपनी ज्ञान की गहराई और त्वरित सोच का प्रदर्शन कर रही थीं। कई राउंड के बाद, तीसरे सेमेस्टर के छात्र

Credit- Tarun Soreng

तैयब और पहले सेमेस्टर के अमोस की टीम विजेता बनी। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन और टीमवर्क ने उन्हें शीर्ष स्थान दिलाया, जिससे उनके साथियों और जजों पर गहरा प्रभाव पड़ा।

कार्यक्रम का समापन क्विज क्लब की ओर से धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभागियों और आयोजक टीम की मेहनत को सराहा गया। यह प्रतियोगिता छात्रों के बीच भाईचारे और बौद्धिक विकास को बढ़ावा देने वाला एक समृद्ध अनुभव सा. बित हुई।

पीएम–सूर्या घर मुफ्त बिजली योजना'' पर नुक्कड़ नाटक, निस्कोर्ट के छात्रों में जागरूकता की नई लहर

एल्बिन सीबी

२० सितंबर को निस्कोर्ट मीडिया कॉलेज के छात्रों और संकाय सदस्यों ने कॉलेज के रिसेप्शन क्षेत्र के सामने एक जीवंत नुक्कड़ नाटक का आनंद लिया। यह प्रदर्शन ''पीएम–सूर्या घर मुफ्त बिजली योजना'' के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आयोजित एक बड़े अभियान का हिस्सा था। यह योजना भारत सरकार के नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा शुरू की गई है, जो घर की छतों पर सोलर पैनल लगाने की सुविधा प्रदान करती है।

नाटक ने प्रभावी ढंग से इस योजना के अंतर्गत सोलर पैनल लगाने के फायदों को उजागर किया, जिससे लोग खुद बिजली उत्पन्न कर सकते हैं और बिजली के खर्चों में कटौती कर सकते हैं। हास्यपूर्ण और दिलचस्प संवादों के माध्यम से कलाकारों ने दर्शकों को सोलर पैनल के लिए पंजीकरण और आवेदन की सरल प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी।

इस अभियान ने सौर ऊर्जा में परिवर्तन के पर्यावरणीय और आर्थिक लाभों पर जोर दिया, खासकर ऐसे समय में जब स्थायी

Credit- Tarun Soreng

ऊर्जा समाधानों की बढ़ती आवश्यकता है। कई छात्रों के लिए यह पहली बार था जब उन्होंने किसी अभियान को इस प्रकार की इंटरैक्टिव प्रस्तुति के रूप में देखा। नाटक ने न केवल जानकारी को सुलभ बनाया, बल्कि मनोरंजन की एक परत भी जोड़ी, जिससे संदेश और अधिक प्रभावशाली बना।

छात्रों और संकाय ने इस पहल की सराहना की और इसे जागरूकता फैलाने का एक नया और आकर्षक तरीका बताया। कई लोग इस योजना के लाभों को लेकर उत्साहित दिखे और अपने घरों में सौर ऊर्जा को अप. नाने के लिए प्रेरित महसूस किया।

फ्रेशर्स डे: एक यादगार शुरुआत

अंजलि खलखो

इस साल का फ्रेशर्स डे निस्कोर्ट मीडिया कॉलेज में खास अंदाज में मनाया गया। पार्टी का थीम 'रेट्रो' था, जिसने पूरे माहौल को ८० और ९० के दशक की यादों से भर दिया। जैसे ही कार्यक्रम शुरू हुआ, पूरे कॉलेज में एक पुरानी लेकिन खूबसूरत दु. निया बस गई, जो हर किसी के लिए एक खास एहसास था।

Credit- Mr. Aakash Singh

कार्यक्रम की शुरुआत फ्रेशर्स के लिए आयो. जित 'टैलेंट हंट' से हुई, जहां सभी नए छात्रों को 'रैंप वॉक' करना था और अपनी कोई खास प्रतिभा दिखानी थी। किसी ने गाना गाया, किसी ने डांस किया, तो किसी ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। फ्रेशर्स की परफॉर्मेंस ने सभी का दिल जीत लिया और माहौल को और भी रंगीन बना दिया।

इसके बाद, कॉलेज के बाकी छात्रों ने भी रेट्रो थीम को ध्यान में रखते हुए पुराने गानों पर डांस और गाने का परफॉर्मेंस दिया। ८० और ९० के दशक के संगीत पर थिरकते कदमों ने सभी को पुरानी यादों में खो जाने का मौका दिया। कई छात्रों और शिक्षकों ने यह भी कहा कि यह संगीत उन्हें उनके स्कूल और कॉलेज के दिनों की याद दिला गया, और सभी के बीच एक तरह की भावुकता छा गई।

Credit- Tarun Soreng

रोहन, जो इस साल के जूनियर छात्रों में से एक हैं, ने भी अपने अनुभव को साझा किया। उन्होंने कहा, ''मुझे स्नाकोत्तर का डांस परफॉर्मेंस बेहद पसंद आया। उनके डांस में जो ऊर्जा और उत्साह था, वह शानदार था। इसके साथ ही, समीर पनना की शायरी और डांस भी दिल को छू लेने वाले थे। उनका अंदाज बहुत ही अद्भुत था। सभी का खेलों में हिस्सा लेना भी एक बेहतरीन अनुभव था। सभी खेल मजेदार थे और मैंने बहुत एन्जॉय किया। कार्यक्रम के हा. `स्ट्स भी बहुत अच्छे थे। उनकी भाषा सरल और पेशेवर थी, जिससे पूरे कार्यक्रम का संचालन बहुत ही बढ़िया तरीके से हुआ।'' दिन की समाप्ति कॉलेज के सीनियर्स और अध्यापकों के नए छात्रों को शुभकामन. ाएं देने के साथ हुआ। इस फ्रेशर्स डे ने न केवल छात्रों को मनोरंजन और मस्ती का मौका दिया, बल्कि सभी के दिलों में ८० और ९० के दशक की पुरानी यादा. ` को भी ताजा कर दिया। इस रेट्रो थीम वाली पार्टी को कोई भी जल्दी नहीं भूलेगा!

निसकॉर्ट मीडिया कॉलेज में ओणम उत्सव का भव्य आयोजन

जेनिस मैसी

Credit- Mr. Aakash Singh

१२ सितंबर को निसकॉर्ट मीडिया कॉलेज ने अपने प्रवेश द्वार पर ओणम उत्सव को पारंपरिक धूमधाम से मनाया। इस आयोजन में छात्रों और फैकल्टी ने मिलकर उत्सा. हपूर्वक भाग लिया, जिससे यह सभी के लिए यादगार बन गया। कार्यक्रम ने एकता और सांस्कृतिक सम्मान की भावना को और मजबूत किया। ओणम एक वार्षिक फसल उत्सव है, जिसे मुख्य रूप से केरल में मन. ाया जाता है।

यह उत्सव पौराणिक राजा महाबली की घर वापसी की याद में मनाया जाता है और फसल के आगमन का प्रतीक भी है।

लोग अपने घरों को पुक्कलम से सजाते हैं, पारंपरिक भोजन (ओणम साद्या) बनाते हैं, और नृत्य—गीतों के साथ त्योहार की खुशियां मनाते हैं। यह उत्सव लोगों को महाबली के समय की समृद्धि और सद्भा. वना की याद दिलाता है।

निसकॉर्ट मीडिया कॉलेज में उत्सव की शुरुआत सुबह छात्रों और फैकल्टी द्वारा मिलकर पुक्कलम बनाने से हुई। ताजे और रंग—बिरंगे फूलों से सजाई गई इस रंगोली ने ओणम के सांस्कृतिक महत्व को खूबसूरती से प्रदर्शित किया।

पुक्कलम बनाने में दिखाया गया सहयोग. ात्मक प्रयास सामुदायिक भागीदारी का प्रतीक था।इसके बाद कार्यक्रम संगीत से भरपूर हो गया, जब छात्रों और फैकल्टी ने मिलकर पारंपरिक मलयालम गीत गाए। उनकी मधुर धुनों ने पूरे परिसर में सांस्कृतिक गर्व और गर्मजोशी का माहौल बना दिया।

छात्रों और फैकल्टी का एक साथ प्रस्तुति देना उनके बीच की मजबूत एकता को दर्शाता था।

कार्यक्रम के अगले चरण में छात्रों ने ओण ाम की भावना से भरे पारंपरिक नृत्य प्रस्. तुत किए। उनकी ऊर्जावान नृत्य प्रस्तुतियों ने केरल की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर की झलक दी।

समापन में, प्रधानाचार्य श्री डॉ. रितु दुबे तिवारी ने प्रेरणादायक भाषण दिया। उन्होंने ओणम के महत्व पर प्रकाश डाला और बताया कि इस तरह के सांस्कृतिक उत्सव कैसे लोगों को एकजुट करते हैं।

उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों में ऐसे उत्सवों की भूमिका पर भी जोर दिया, जो एकता को बढ़ावा देते हैं और भारत की विविध परंप. राओं को समझने में मदद करते हैं।

निसकॉर्ट मीडिया कॉलेज का ओणम उत्सव न केवल मनोरंजन का अवसर था, बल्कि यह समुदायों को एक साथ लाने वाली समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की भी याद दिलाता है।

Credit- Mr. Aakash Singh

निस्कोर्ट मीडिया कॉलेज द्वारा बाल विवाह पर डूडलिंग प्रतियोगिता का सफल आयोजन

अर्नोल्ड आदित्य सिंह

निस्कोर्ट मीडिया कॉलेज ने १३ सितंबर को ''बाल विवाह'' जैसे गंभीर सामाजिक मुद्दे पर केंद्रित डूडलिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को उनकी रचनात्मकता व्यक्त करने और इस सामा. जिक बुराई के खिलाफ जागरूकता फैलाने का अवसर देना था। प्रतियोगिता का विषय ''बाल विवाह रोकें'' रखा गया था, जिसमें छात्रों ने डूडलिंग कला के माध्यम से अपने विचारों को प्रस्तुत किया।

Credit- Mr. Aakash Singh

प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में छात्रों ने भाग लिया और अपने अद्वितीय और सशक्त रचन. ात्मक प्रयासों के माध्यम से बाल विवाह के खिलाफ एक मजबूत संदेश देने की कोशिश की। यह प्रतियोगिता केवल कला तक सी. मित नहीं थी, बल्कि इसके माध्यम से समाज में बदलाव लाने और बाल विवाह जैसी प्रथाओं के खिलाफ आवाज उठाने का एक सार्थक प्रयास था। प्रतियोगिता के निर्णायकों ने विभिन्न मानदंडों के आधार पर विजेताओं का चयन किया, जिसमें छात्रों की रचन. ात्मकता, विषय का सही उपयोग और प्रस्तुति की अनूठी शैली शामिल थी।

डूडल प्रतियोगिता में तीन प्रमुख श्रेणियों में विजेताओं का चयन किया गया। ''सर्वश्रेष्ठ डूडल'' का खिताब डैरियन ने जीता, जिनके डूडल ने विषय को प्रभावशाली ढंग से प्रस्. तुत किया। ''सबसे रचनात्मक'' की श्रेणी में अर्नोल्ड को विजेता घोषित किया गया, जिन्होंने अपनी अनूठी शैली से जजों को प्रभावित किया। वहीं, ''विषय का सर्वश्रेष्ठ उपयोग'' करने के लिए सिल्वियुश को सम्मा. नित किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से कॉलेज ने न केवल छात्रों को उनकी कला को व्यक्त करने का मंच दिया, बल्कि एक महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दे पर चर्चा करने और उसका समाधान खोजने के लिए प्रेरित भी कियाी।बाल विवाह एक गंभीर समस्या है, और इस तरह की प्रतियोगिताएं समाज में जागरूकता फैलाने और युवा पीढ़ी को इस दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित करने का एक सशक्त माध्यम साबित हो सकती हैं।

निस्कोर्ट मीडिया कॉलेज ने सेंट विंसेंट पलोट्टी स्कूल दिल्ली के छात्रों के लिए करियर काउंसलिंग ड्राइव का आयोजन

अर्नोल्ड आदित्य सिंह

निस्कोर्ट मीडिया कॉलेज ने सेंट विंसेंट पलोट्टी स्कूल के छात्रों के लिए करियर का. उंसलिंग ड्राइव का सफल आयोजन किया, जिसमें उन्हें पत्रकारिता और जनसंचार के विविध करियर विकल्पों के बारे में जानने का अवसर मिला। इस यात्रा का नेतृत्व स्कूल के प्रिंसिपल, फादर सिजू चाको ने किया, जो तीन शिक्षकों के साथ छात्रों का समूह लेकर निस्कोर्ट पहुंचे। छात्रों ने इस मौके पर मीडिया क्षेत्र में संभावनाओं को जानने और समझने का अनुभव प्राप्त किया।

Credit- Amos Micheal

काउंसलिंग ड्राइव के दौरान, सेंट विंसेंट पलोट्टी स्कूल के छात्रों को निस्कोर्ट मीडिया कॉलेज की अंतरराष्ट्रीय सुविधाओं के द्वारा करवाया गया। यहां उन्हें आधुनिक मीडिया उपकरणों और संसाधनों से अवगत कराया गया, जो कि मीडिया शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य छात्रों को पत्रकारिता और जन. संचार के क्षेत्र में करियर की विभिन्न संभ. ावनाओं को समझाना था, ताकि वे अपने भविष्य के लिए एक सटीक दिशा चुन सकें। छात्रों ने निस्कोर्ट के फैकल्टी सदस्यों और वर्तमान छात्रों से बातचीत की, जिसमें उन्होंने मीडिया की दुनिया में हो रहे परिवर्तनों और विभिन्न अवसरों के बारे में जानकारी प्राप्त की। निस्कोर्ट के शिक्षकों ने उन्हें न केवल पत्रकारिता बल्कि जनसंचार, डिजिटल मी. डिया, विज्ञापन, और पीआर जैसे क्षेत्रों के बारे में भी बताया। इसके अलावा, छात्रों ने यह भी सीखा कि मीडिया उद्योग में सफल होने के लिए कौन—कौन सी स्किल्स की आवश्यकता होती है। इस करियर काउंस. लिंग ड्राइव के दौरान, छात्रों ने न केवल नए करियर विकल्पों के बारे में जानकारी प्राप्त की, बल्कि अपनी जिज्ञासा को भी संतुष्ट किया।

यह कार्यक्रम प्रेरणादायक और जानकारीपूण र्ि था, जिसमें छात्रों ने मीडिया उद्योग के विभिन्न पहलुओं को जानने और समझने का प्रयास किया। निस्कोर्ट मीडिया कॉलेज की यह पहल छात्रों को मीडिया क्षेत्र में उनके करियर के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से की गई थी। कार्यक्रम के अंत में, निस्कोर्ट मीडिया कॉलेज की ओर से सभी छात्रों का स्वागत किया गया और उन्हें भविष्य में सफल मीडिया प्रोफेशनल बनने के लिए प्रोत्साहित किया गया। यह दिन छात्रों के लिए न केवल एक सीखने का अवसर था, बल्कि उनके करियर के लिए एक नई दिशा भी स्थापित करने वाला साबित हुआ। उम्मीद है कि इस दौरे से प्रेरित होकर, इनमें से कुछ उज्ज्वल दिमाग भविष्य में निस्कोर्ट का हिस्सा बनेंगे।

फोटोग्राफी प्रतियोगिता के हुनरबाज विजेताओं को किया सम्मानित

जेनिस मैसी

निस्कोर्ट मीडिया कॉलेज ने विश्व फोटोग्राफी दिवस के मौके पर एक फोटोग्राफी प्रतियो. गिता का आयोजन किया, जिसमें छात्रों ने ''दैनिक जीवन के संघर्ष'' को अपने कैमरों में कैद करके अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के विजेताओं की घोषण ाा २ सितंबर को कॉलेज के ''वीडियो स्टू. डियो'' में की गई, जिसमें प्रतियोगियों की तस्वीरों की प्रदर्शनी भी लगाई गई।

विश्व फोटोग्राफी दिवस हर साल १९ अगस्त को फोटोग्राफी की कला और इतिहास को सम्मान देने के लिए मनाया जाता है। यह दिन १८३९ की उस तारीख को याद करता है जब फ्रांस की सरकार ने लुई डागुएर्रे द्वारा बनाई गई एक फोटोग्राफी प्रक्रिया की खोज की घोषणा की थी। इस दिन दुनिया भर के फोटोग्राफर अपनी तस्वीरों के जरिए अपनी सोच को साझा करते हैं और फोटोग्राफी की ताकत का जश्न मनाते हैं।

निस्कोर्ट मीडिया कॉलेज में आयोजित इस फोटोग्राफी प्रतियोगिता में छात्रों को रोजमर्रा की जिंदगी की मुश्किलों को अपने कैमरे के जरिए दिखाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इसका नतीजा कुछ ऐसी तस्वीरों के रूप में सामने आया, जिन्होंने छात्रों और शिक्षकों को भावुक कर दिया।प्रतियोगिता के विजेताओं की घोषणा प्रदर्शनी के दौरान की गई। इसमें पहला इनाम बीजेएमसी तीसरे सेमेस्टर के तैयब हेलाल को मिला। उनकी फोटो ने अपनी गहरी भावनाओं और दमदार कहानी के कारण सबको प्रभावित किया।

दूसरा इनाम बीजेएमसी तीसरे सेमेस्टर के तरुण सोरेंग ने जीता, जबकि बीजेएमसी पहले सेमेस्टर के अमोस माइकल ने तीस. रा स्थान हासिल किया। इन तीनों विजेता तस्वीरों ने रोजमर्रा की जिंदगी की चुनौ. तियों को अलग—अलग और प्रभावी तरीके से दिखाया। यह कार्यक्रम रचनात्मकता का उत्सव था और इसमें प्रतिभागियों को उनके कैमरों के जरिए अपने विचार व्यक्त करने का एक मंच मिला। प्रदर्शनी ने उनकी कला को तो दिखाया ही, साथ ही निस्कोर्ट के सभी लोगों को एक साथ लाकर फोटोग्राफी की शक्ति को भी सराहा।

Credit- Mr. Deepak Kumar

निस्कोर्ट विस्टा

संपादक
डॉ. ऋतु दुबे तिवारी
श्री। श्रीकांत पांडे

संकाय प्रभारी
सुश्री एश्ली मैथ्यू
सुश्री अमला टी. चाको

संपादकीय टीम
अभिषेक एक्का
एल्बिन सीबी
अंजलि खलखो
अर्नोल्ड आदित्य सिंह
जेनिस मैसी
जान्हवी खान
तैय्यब हेलाल

डिजाइनर
अंजलि खलखो
तैय्यब हेलाल